दैनिक भास्कर
14 मई, 2006

राजनीति की तस्वीर

आलोक मेहता को उनकी पत्रकारिता के कारण जाना जाता है, लेकिन वह कहानियां भी लिखते हैं। उनका कहानी संग्रह है 'चिड़िया फिर नहीं चहकी', जिसमें उनकी 12 कहानियां और दस लघुकथाएं संकलित हैं। इनमें से अधिकतर कहानियों में हमारे समय की राजनीति की तस्वीर देखने को मिलती है। ये कहानियां अवसरवाद, चाहे वह समाज के किसी भी वर्ग में हो, को बड़ी बेरहमी के साथ उजागर करती हैं।

पुस्तक : चिड़िया फिर नहीं चहकी
लेखक : आलोक मेहता
प्रकाशक : सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, मूल्य : 100 रु.